

श्रूत्कार m. (der Laut श्रूत्) das Pfeifen, Zischen u. s. w.: श्रूत्कारैः RĀŚA-TAR. 8, 407. शैलानां शोकनिश्वासश्रूत्कार इव श्रूयते 7, 352. समूत्कार-मरुत् KATHĀS. 101, 140.

श्रूय UṆĀDIS. 2, 19. 1) m. a) ein Mann der vierten, dienenden Kaste AK. 2, 10, 1. TRIK. 2, 10, 1. H. 894. HALĀS. 2, 237. fg. 431. Ind. St. 10, 4. fgg. MUIR, ST. पद्मो श्रूयो ऋजायत RV. 10, 90, 12. M. 1, 31. R. 3, 20, 31. VP. 44. यद्यं श्रूय उतायैः AV. 4, 20, 4. 19, 32, 8. 62, 1. श्रूयैर्वो VS. 14, 30. श्रूयार्थम् gaṇa राजदत्तादि zu P. 2, 2, 31. ब्राह्मण, राजन्, विष्णु, श्रूय VS. 18, 48. 26, 2. 20, 17. 30, 5. AIT. BR. 7, 17. श्रूयकल्पः । अन्यस्य प्रेष्यः कामोत्थाप्यो यथाकामवध्यः 29. TS. 2, 5, 10, 1. 3, 2, 6, 2. 5, 7, 6, 4. 7, 1, 4, 6. श्रूयैः (वर्णैः) श्रूयः TBa. 1, 2, 6, 7. 3, 2, 2, 9. 3, 44, 2. CAT. Ba. 1, 4, 4, 12. 3. 1, 4, 10. 5, 5, 4, 9. KĀTJ. 34, 5. KĀTJ. Cn. 1, 4, 5. 6, 7, 4. 22, 1, 10. LĀTJ. 3, 3, 16. der Esel wird angeredet श्रूयो ऽसि श्रूयन्मा PĀR. GRHJ. 3, 15. — (कारयेत्) दास्यं श्रूयं द्विजन्मनाम् M. 8, 410. 413. fg. (विप्राणाम्) शुश्रूषेव तु श्रूयस्य धर्मो नैऋयसः परः 9, 334. 1, 91. MBH. 13, 310. Spr. (II) 2437. तपः श्रूयस्य सेवनम् 4306. श्रूयाणामेव जन्मतः (स्वैद्यम्) (I) 5014. (II) 2436. 4388. 4390. स श्रूयवद्विष्कार्यः सर्वस्माद्विजकर्मणाः M. 2, 103. श्रूयमा-रोगयमेव (पृच्छेत्) 127. (नामधेयं स्यात्) श्रूयस्य तु जुगुप्सितम् 81. प्रेष्यसं-युतम् 32. नहि तस्यास्ति किञ्चित्स्वं भर्तृकार्यधनो हि सः (श्रूयः) 8, 417. शक्तैनापि हि श्रूयेण न कार्यो धनसंचयः । श्रूयो हि धनमासाद्य ब्राह्मणानेव बाधते ॥ 10, 129. श्रूयाणां तु (पितरः) सुकालिनः 3, 197. श्रूयाणां गणनायकाः (देवतम्) WILSON, Sel. Works 1, 2. श्रूयमपि कुलगुणसंपन्नं मन्त्रवर्त्मनुपनी-तमध्यापयेदित्येके SUÇA. 1, 7, 4. BHAG. 9, 32. MBH. 1, 6158. R. 1, 4, 96. 6, 16. VARĀH. BRH. S. 5, 29. 32. 56. 9, 13. 12, 18. ०जन M. 4, 99. राष्ट्रं ०भू-यिष्ठम् 8, 22. ०योनि MBH. 1, 4215. ०कन्या M. 10, 8, 9. WILSON, Sel. Works 1, 258. ०शिष्य M. 3, 156. ०राज्य 4, 61. ०वृत्ति 10, 98. श्रूयान् 4, 218. WE-BER, KRSHNĀG. 224. Verz. d. Oxf. H. 281, b, 27. ०शासन TRIK. 2, 2, 1. HĀR. 175. ०संस्पर्श M. 5, 104. ०सेवन 11, 69. ०पात्रक 3, 178. Verz. d. Oxf. H. 282, b, 7. ०घ्न PĀNĒAR. 1, 10, 77. ०हन् M. 11, 130. ०हत्या 131. 140. वि-श्रूयो 3, 23. वैश्यश्रूयो 24. 110. 112. तत्रश्रूयवपुः 10, 9. तत्रविश्रूययोनयः 8, 62. 9, 229. स्त्रीश्रूयदम्भन 4, 198. 11, 152. WEBER, KRSHNĀG. 288. स्त्री-श्रूयविद्वत्प्रवध M. 11, 66. ०विद्वत्विप्राणाम् 8, 104. — b) pl. N. pr. eines Volkes: श्रूयभौरगणाः MBH. 2, 1192. 1869. 6, 375 (VP. 195). 9, 2119. VARĀH. BRH. S. 14, 18. 16, 31. VP. 481. MĀRK. P. 37, 36. LĪA. 1, 799. 2, 548. — c) N. pr. eines Brahmanen TĪRAN. 5, 59. — 2) f. स्त्री a) ein Weib der vierten Kaste P. 4, 1, 4. VĀRTT. 1. AK. 2, 6, 1, 13. 3, 4, 37, 212. H. 524. AV. 5, 22, 7. VS. 23, 30. न श्रूयमुपेयात् GOBH. 3, 2, 42. PĀR. GRHJ. 1, 4. M. 3, 13. fg. 17. 44. 8, 383. 385. 9, 178. 10, 18. 64. MBH. 1, 4216. 2, 1829. 12, 6372. R. 2, 63, 48. ०पुत्र PĀNĒAR. BR. 14, 6, 6. M. 9, 154. fg. ०सुत 151. 153. ०वेदिन् 3, 16. ०विशोः AK. 2, 10, 2. — b) N. pr. einer Tochter Raudrāçva's HARIV. 1661. — 3) f. ई ein Weib der vier-ten Kaste JĪGĀ. 1, 91. वैश्यश्रूयोः ebend. Schol. zu KĀTJ. Cn. 18, 6, 27. die Frau eines Çūdra P. 4, 1, 4. VĀRTT. 2. AK. 2, 6, 1, 13. H. 523. — Vgl. मरु°, विश्रूय, शौद्र, शौद्रायण.

श्रूयक (von श्रूय) m. N. pr. gaṇa अखादि zu P. 4, 1, 110. 5, 3, 75. Schol. (संज्ञायै कुत्सिते). eines Fürsten, angeblichen Verfassers der Mṛkka-katīkā, LĪA. 2, 759. fg. 945. MĀNĒH. 1, 13. fgg. KATHĀS. 78, 5. RĪĀA-TAR. 3, 343. HIT. III, 99. 98, 5. fgg. KĀD. in Z. d. d. m. G. 7, 583. DAÇAK.

118, 2. HALL in der Einl. zu VĀSAYAD. 53. VER. in LĀ. (III) 23, 10. 23, 8. VP. 472. N. 39. Verz. d. Oxf. H. 132, b, 16. 207, b, 34. N. pr. eines Sol-  
daten RĪĀA-TAR. 8, 509. — Vgl. शौद्रकायण.

श्रूयकृत adj. von einem Çūdra gemacht AV. 10, 1, 3.

श्रूयकृत्य n. die Obliegenheit eines Çūdra: ०विचारण, ०विचारणतत्त्व, ०विचारतत्त्व Titel eines Abschnittes im Smṛtitattva Verz. d. Oxf. H. 289, b, No. 693. 291, a, No. 702. GILD. Bibl. 463. 486.

श्रूयजन्मन् adj. von einem Çūdra stammend PĀR. GRHJ. 3, 15. m. =  
श्रूय ein Çūdra JĪGĀ. 1, 57.

श्रूयता f. nom. abstr. von श्रूय 1) a) M. 3, 15. 4, 245. 10, 65. MBH. 13, 1903. MĀRK. P. 112, 25. BHĀG. P. 7, 15, 72.

श्रूयत्व n. dass. M. 2, 168. 11, 97. MĀRK. P. 13, 36. BHĀG. P. 1, 13, 14.

श्रूयधर्म m. die Obliegenheit eines Çūdra Verz. d. Oxf. H. 268, b, 18. 276, b, 31. ०तत्त्व n. Titel eines Werkes des Kamalākara 277, a, No. 634. Verz. d. B. H. No. 1019. MACK. Coll. 1, 35.

श्रूयप्रिय 1) adj. einem Çūdra lieb. — 2) m. Zwiebel RĪĀAN. im ÇKDr.

श्रूयार्ता (श्रूय + घ्रा°) f. Fennich, Panicum italicum ÇABDAK. im ÇKDr.

श्रूयक्रिका (श्रूय + घ्रा°) n. die täglich zu einer bestimmten Zeit zu vollbringende Handlung eines Çūdra Verz. d. Oxf. H. 277, a, No. 634.

श्रूयक्रिकाचारतत्त्व n. = श्रूयकृत्यविचारणतत्त्व GILD. Bibl. 486.

श्रूयीभू (श्रूय + 1. भू), ०भवति zu einem Çūdra werden M. 10, 92. KATHĀS. 4, 114.

श्रूयद्योत (श्रूय + उ°) m. Titel einer Schrift MACK. Coll. 1, 33 (श्रूयो-  
द्योत gedr.).

1. श्रूय (von 2. श्रू = सा, श्चि) partic. geschwollen, aufgedunsen P. 6, 1, 15. 7, 2, 14. VOP. 26, 107. सर्वाङ्ग ० SuÇA. 1, 34, 19. त्रिकृता 113, 3. लोचन 2, 255, 7. ०गात्र 1, 35, 3. ०कार 118, 14. 119, 19. 155, 19. 302, 18. श्रूयान् 2, 372, 16. 382, 20. श्रूयाण्डमेढता 1, 116, 8. 2, 134, 3. घ्रा° (त्रया) 1, 88, 15. Bez. eines best. Fehlers der Aussprache RV. PRĀT. 14, 2.

2. श्रूय n. Leere; Abwesenheit, Mangel: मा श्रूयमारताम् RV. 3, 33, 13. मा श्रूये नि ष्टाम नृणाम् 7, 1, 11. सोम्यस्य 1, 105, 3. घ्रापेः 2, 27, 17. सद्युः 8, 45, 36. मा श्रूये भूम सूर्यस्य संदृशि (Attraction st. संदृशि) 10, 37, 6.

3. श्रूय m. N. pr. eines Mannes MBH. 7, 2281. पू ed. Bomb.

श्रूयत्व (von 1. श्रूय) n. Aufgedunsenheit SUÇA. 1, 118, 7.

श्रूयै (von 2. श्रूय) 1) adj. (f. घ्रा) gaṇa गवादि zu P. 5, 1, 2 (von श्रूय).  
a) leer, öde, unbewohnt, nicht besetzt AK. 3, 2, 6. TRIK. 3, 3, 321. H. 1446.

an. 2, 384. MED. j. 57. HALĀS. 5, 62. घ्रावसथ TBa. 2, 1, 3, 12. CAT. Ba. 2, 3, 4, 9. सदस् LĀTJ. 2, 4, 13. ०शाला KAUC. 27. श्रूयगार MAITRAJUP. 6, 10. M. 4, 57. 9, 265. SUÇA. 1, 366, 20. 374, 18. 2, 389, 20. जगत् MBH. 1, 7669. वन 3, 2361. 2401. 13, 2298. HARIV. 3489. R. 1, 9, 58. 55, 24. 2, 36, 12. 37, 27. 42, 23. 88, 17. R. GORR. 1, 49, 14. Spr. 2730. 3011. fg. (II) 444. 685. 1079. 1435. 1631. ÇĀK. 74. 94, 5. VARĀH. BRH. S. 51, 4. 95, 5. 58. BRH. 24, 8. KATHĀS. 3, 33. 18, 158. 27, 147. 37, 57. 86, 108. RĪĀA-TAR. 4, 171. Verz. d. Oxf. H. 268, a, 37. BHĀG. P. 3, 24, 28. 5, 14, 20. रथ R. 2, 52, 38. पर्यङ्क 72, 11. वाजिन् so v. a. ohne Reiter KATHĀS. 26, 86. leer so v. a. ausgeleert, seines Inhalts beraubt 33, 138. चिर° 124, 71. Spr. 3011. वज्र° MBH. 3, 12842. हरश्रूयो ऽद्या AK. 2, 1, 18. H. 985. घ्रा° PĀR. GRHJ. 1, 5. KĀTJ. Cn. 2, 4, 4. 30. 8, 12. दारं श्रूयमश्रूयं वा VER. in